

राग- मधमाद सारंग

थाट – काफी

स्वर – नी कोमल

वर्ज स्वर – ग व ध

जाती – औडव- औडव

वादी स्वर – रे

संवादी स्वर – प

गायनसमय – दिवसचा दूसरा प्रहार

समप्रकृतीक राग – सारंग

आरोह – सा रे म प नि सां

अवरोह – सां नि प म रे सा

पकड – नि सा रे प म_s रे, म रे,नि_s,प नी सा_s